आयुक्त बोले- स्वास्थ्य मंत्री के जिले में ये हाल...

माई सिटी रिपोर्टर

जिला समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नहीं दे पाए सवालों के जवाब

अंबाला। हरियाणा सेवा अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त टीसी ने एसडी कॉलेज में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इसमें उन्होंने अधिकारियों से सीधे सवाल किए। हाल यह रहा कि अधिकारी सवालों का जवाब तक नहीं दे सके। इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के जिले में ये हाल...क्या उन्हें फोन कर बता दूं।

आयुक्त टी.सी. गुप्ता

जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारी से पूछा कि बौने व्यक्तियों के छह फार्म आपके पास 90 दिनों में पेंशन के लिए आए सभी के आवेदन रिजेक्ट क्यों कर दिए गए? इस पर विनोद कुमार ने बताया कि उनकी निर्धारित लंबाई ज्यादा थी। इस पर टीसी गुप्ता ने उनसे पूछा कि कितनी लंबाई होनी चाहिए।

विनोद ने बताया कि 3.8 फुट पुरुषों की और 4.5 फुट महिलाओं की। इस पर गुप्ता ने दोबारा से सोचकर बोलने की बात कही विनोद कुमार ने कहा कि यही ठीक है। गुप्ता ने सुनकर कहा कि आपको तो यही नहीं पता हमें तो पूरा हरियाणा देखना है। महिलाओं की लंबाई 3.5 फुट निर्धारित है। इस पर विनोद कुमार ने क्षमा मांगी। गुप्ता ने कहा कि अब ऐसा पोर्टल बनाएंगे कि निर्धारित लंबाई से ज्यादा यदि कोई आवेदन पत्र में लिखेगा तो उसका आवेदन ही स्वीकार नहीं होगा ताकि आवेदन करने वाला बिना बात के परेशान न हो।

इसी तरह स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहुंची डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. बलविंद्र से पूछा कि 3 महीने में जन्म-मृत्यु के 8210 में से 32.90 प्रतिशत आवेदन रिजेक्ट कर दिए? क्यों नहीं बनाए। डॉ. बलविंद्र ने कहा कि कोरोना के चलते टीकाकरण में व्यस्त थे। अब कर देंगे। जवाब से असंतुष्ट अधिकारी ने कहा कि यह कोई जवाब नहीं है। अब कैसे कर देंगे? यह स्वास्थ्य मंत्री का जिला है। क्या उन्हें बता दूं? सीधे सिरसा ट्रांसफर होगा।

कृषि विभाग के अधिकारी को भी दी सीख

इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी से कहा कि आपका रिपोर्ट खराब बेहद खराब है। आप तो किसान को समय पर बीज भी नहीं दिला सकते। 99.20 प्रतिशत रिजेक्शन रेट है आपके विभाग का। आपको तो पद पर भी रहने का अधिकार नहीं है। यदि बार-बार आवेदन रिजेक्ट हो रहे हैं तो यह विभाग के लिए शर्म की बात है। इसमें सुधार करें। इसी तरह जिला रोजगार अधिकारी भी सवालों का जवाब नहीं दे पाई। अधिकारी ने कहा कि आप बिना तैयारी के आई हैं और हमें ही बता रही हैं कि क्या सही है क्या गलत। आपको तो यह भी नहीं पता कि यह जो रिकार्ड है यह अंबाला का ही है प्रदेश का नहीं है।

जनता ने दिए सुझाव

बैठक में आम जनता ने भी अपने सुझाव दिए, साथ ही अधिसूचित सेवाओं की जानकारी को लेकर आयुक्त सेवा का अधिकार के कार्य की प्रशंसा भी की। मनोज गोयल, रामचंद्र, दीपक आनंद, देशबंधु मेहता, केहर सिंह राणा, हरमेश पाल, साहब सिंह, अवतार सिंह तथा रामबाबू ने भी अपने सुझाव दिए।